भारत सरकार
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 4338
दिनांक 20 दिसम्बर, 2024 को उत्तर के लिए

बच्चों में स्वस्थ पोषण संबंधी आदतें

4338 श्री नरेश गणपत म्हस्केः
डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदेः
श्री राजेश वर्माः
श्री रविन्द्र दत्ताराम वायकरः
श्रीमती शांभवीः

क्या **महिला और बाल विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः
(क) 'पोषण भी, पढ़ाई भी' योजना के अंतर्गत आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों में स्वस्थ पोषण संबंधी आदतें विकसित करने के लिए कुल कितनी राशि आवंटित की गई है तथा क्या कदम उठाए गए हैं;
(ख) क्या देश भर में विशेषकर बिहार और महाराष्ट्र में इस योजना के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए कोई विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ग) क्या उक्त योजना के अंतर्गत बच्चों के समग्र विकास की प्रक्रिया की निगरानी के लिए कोई तंत्र या निकाय स्थापित किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री
(श्रीमती सावित्री ठाकुर)

(क) से (ग) भारत सरकार ने दिनांक 10 मई, 2023 को सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों के कौशल उन्नयन के लिए पोषण भी पढ़ाई भी (पीबीपीबी) पहल आरंभ की ताकि दिव्यांग

बच्चों सहित छह वर्ष से कम आयु के बच्चों को प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा तथा पोषण सेवा प्रदान करने की उनकी क्षमता को मजबूत किया जा सके।

आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों की क्षमता निर्माण की परिकल्पना आंगनवाड़ी को शिक्षण केंद्र में बदलने की दिशा में पहले कदम के रूप में की गई है जिसमें उच्च गुणवत्ता वाले बुनियादी ढांचे, खेल के उपकरण और अच्छी तरह से प्रशिक्षित आंगनवाड़ी कार्यकर्त्री होनी चाहिए। इस कार्यक्रम के तहत मंत्रालय दो स्तरीय प्रशिक्षण कार्यान्वयन मॉडल पर ध्यान केंद्रित करता है। राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान (निपसिड) को अपने नई दिल्ली स्थित मुख्यालय और देश भर में स्थित पांच क्षेत्रीय केंद्रों के माध्यम से पोषण भी पढ़ाई भी के अंतर्गत आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों के क्षमता निर्माण का कार्य सौंपा गया है।

टियर । में निपसिड मुख्यालय और इसके पांच क्षेत्रीय केंद्रों के माध्यम से सीडीपीओ, पर्यवेक्षकों और राज्य-नामित अतिरिक्त संसाधन व्यक्तियों सहित राज्य स्तरीय मास्टर प्रशिक्षकों (एसएलएमटी) को प्रशिक्षण दिया जाना शामिल है। उन्हें ऑनलाइन और ऑफलाइन (व्यक्तिगत रूप से) दोनों तरह के प्रशिक्षणों वाले हाइब्रिड मॉडल में दो दिनों के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। इसके अलावा, टियर ॥ में देश भर की आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों के लिए भौतिक मोड में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला शामिल है।

इस मंत्रालय ने आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों को सशक्त बनाने और दिव्यांग बच्चों सहित सभी बच्चों के लिए इष्टतम शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए पोषण के तहत दो पाठ्यक्रम रूपरेखाएँ - "पोषण भी पढ़ाई भी कार्यक्रम के अंतर्गत "नवचेतना- जन्म से 3 वर्ष तक के बच्चों के लिए प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा हेतु राष्ट्रीय रूपरेखा" और "आधारशिला- 3 से 6 वर्ष तक के बच्चों के लिए प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा हेतु राष्ट्रीय पाठ्यक्रम" तैयार किया है।

राष्ट्रीय ढांचा - "नवचेतना" घर के अंदर और आंगनवाड़ी केंद्रों में जुड़ाव का मार्गदर्शन करता है तथा जीवन के पहले तीन वर्षों में बच्चे की वृद्धि और विकास को मापने और उसका सहयोग करने के लिए प्रोत्साहन कार्यकलापों के संचालन में देखभाल करने वालों की सहायता करता है। यह पहले तीन वर्षों में मस्तिष्क के विकास के महत्व पर विस्तृत जानकारी प्रदान करता है और प्रारंभिक प्रोत्साहन कार्यकलापों के संचालन के लिए देखभाल करने वालों और फ्रंटलाइन कार्यकर्त्रियों के लिए चरण-दर-चरण निर्देश देता है। यह दिव्यांग बच्चों की स्क्रीनिंग, समावेशन और रेफरल पर भी ध्यान केंद्रित करता है।

राष्ट्रीय पाठ्यक्रम - "आधारशिला" सभी शिक्षण क्षेत्रों को शामिल करते हुए योग्यता आधारित पाठ योजनाओं और कार्यकलापों को प्राथमिकता देकर आंगनवाड़ी केंद्रों में

आने वाले 3-6 वर्ष की आयु के सभी बच्चों के लिए आंगनवाड़ी केंद्रों में दी जाने वाली प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करता है। यह दस्तावेज आयु के अनुरूप कार्यककलापों और आकलन के साथ आसान योजना बनाने में सक्षम बनाता है तथा स्वदेशी खिलौनों और कम लागत वाली, निःशुल्क सामग्रियों के उपयोग पर जोर देता है। वार्षिक योजना को 4+36+8 सप्ताह अर्थात् 4 सप्ताह की आरंभिक शिक्षा, 36 सप्ताह की सक्रिय शिक्षा, तथा 8 सप्ताह की पोषण शिक्षा में विभाजित किया गया है। प्रत्येक सप्ताह को 5+1 दिनों अर्थात् 5 दिन गतिविधियों के परिचय और अभ्यास के लिए तथा एक दिन साप्ताहिक पोषण के लिए में विभाजित किया गया है। प्रत्येक दिन में 3 ब्लॉक अर्थात् एक स्वागत और मुक्त खेल के लिए, एक कार्यकलापों के माध्यम से सीखने और खेलने के लिए और एक चिंतन और समापन के लिए होते हैं।

महाराष्ट्र और बिहार राज्यों सहित देश भर में दिनांक 16.12.2024 तक कुल 26,425 राज्य स्तरीय मास्टर प्रशिक्षकों (सीडीपीओ, पर्यवेक्षकों और अतिरिक्त संसाधन व्यक्ति) और 71,745 आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों को पोषण भी पढ़ाई भी कार्यक्रम चलाने के लिए प्रशिक्षित किया गया है। इसके अलावा मंत्रालय ने पोषण भी पढ़ाई भी के अंतर्गत प्रशिक्षण के लिए वित्त वर्ष 2023-24, 2024-25 और 2025-26 हेतु 476.06 करोड़ रुपये की निधि आवंटित की है।

इसके अलावा, मिशन पोषण 2.0 के तहत आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों (एडब्ल्यूडब्ल्यू) को कुशल निगरानी और सेवा प्रदायगी के लिए स्मार्टफोन के प्रावधान के साथ तकनीकी रूप से सशक्त बनाया गया है। मोबाइल एप्लिकेशन पोषण ट्रैकर आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले भौतिक रजिस्टरों को डिजिटल बनाता है। इससे उनके काम की गुणवत्ता में सुधार होता है और साथ ही उन्हें आंगनवाड़ी की सभी गतिविधियों की वास्तविक समय पर निगरानी करने की सुविधा भी मिलती है। आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों के अलावा, पर्यवेक्षकों और ब्लॉक समन्वयकों को भी स्मार्टफोन प्रदान किए जाते हैं। इसी तरह, कार्यकर्त्रियों, पर्यवेक्षकों और ब्लॉक समन्वयकों को डेटा रिचार्ज सहायता भी प्रदान की जाती है।

कुपोषित बच्चों की पहचान करने और समय पर कार्यकलाप करने के लिए विकास मापदंडों की नियमित निगरानी आवश्यक है। इसलिए आंगनवाड़ी केंद्रों को इन्फैंटोमीटर, स्टेडियोमीटर, शिशु का वजन मापने वाला पैमाना, माता और बच्चे का वजन मापने वाला पैमाना जैसे विकास निगरानी उपकरणों से सुसज्जित किया गया है।

****